

मुआवजा और सिख दंगा संबंधी क्रिमिनल केस की मॉनिटरिंग को लेकर दायर हुई है याचिका पीड़ितों का मुआवजा भुगतान और मुकदमे पर कार्रवाई की स्टेटस रिपोर्ट दे सरकार : हाईकोर्ट

1984 का सिख
दंगा मामला

रांची, पलामू और रामगढ़ में पीड़ितों का मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया जरी, बोकारो में अतिरिक्त फंड की है आवश्यकता

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। वर्ष 1984 के सिख दंगा में झारखण्ड में प्रभावित लोगों का मुआवजा दिलाने एवं सिख दंगा से संबंधित केस की प्रिमिल केस की मॉनिटरिंग करने को लेकर दायर सतनाम बिंद में गंभीर जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को झारखण्ड हाईकोर्ट में हुई। मामले में राज्य सरकार की ओर से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल नहीं किया जा सका। कोर्ट ने पूर्व में स्टेटस रिपोर्ट सरकार

अगली सुनवाई एक नवंबर निर्धारित



को बताने को कहा था कि सिख दंगा के पीड़ितों को मुआवजा देने के कर्मसूल की रिपोर्ट पर क्या ने मामले की अगली सुनवाई एक नवंबर निर्धारित की है।

पिछली सुनवाई में राज्य सरकार की ओर से बताया गया था कि तीन जिलों रांची, पलामू और रामगढ़ में पीड़ितों को दंगा को लेकर जो प्राथमिकी दर्ज हुई थी उस पर क्या कार्रवाई हुई है, वहीं बोकारो में मुआवजा वितरण के लिए अतिरिक्त फंड की आवश्यकता

है। फंड मिलते ही बोकारो में भी मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। जिस पर कोर्ट ने मामले में मुआवजा भुगतान से संबंधित अपरेंट रेटस राज्य सरकार से मांग था।

पूर्व में ही प्राथी के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया था कि कर्मसूल ने 4 जिलों में सिख दंगा पीड़ितों को मुआवजा भुगतान करने का राज्य सरकार को निर्देश दिया है। हावी कोर्ट के आदेश पर सिख दंगा मामले को लेकर रिटार्ड जिससे डीपी सिंह के अधिवक्ता में गठित बन मैन कर्मसूल ने अपरेंट को बताया गया कि सिख दंगा को लेकर जो प्राथमिकी दर्ज हुई थी उस पर क्या कार्रवाई हुई है, वहीं बोकारो में मुआवजा वितरण के लिए अतिरिक्त फंड की आवश्यकता

रांची हिंसा मामले के आरोपी से जेल में पूछताछ करेगी सीआइडी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची हिंसा के आरोपी नवाब विश्वी और मोहम्मद शकील उर्फ काल से सीआईडी (अपराध अनुसंधान विभाग) की टीम जेल में पूछताछ करेगी। कोर्ट ने इसकी इजाजत दे दी है। सीआईडी दोनों से डेली मार्केट थाना में दर्ज कांड संख्या 17/2012 से जुड़े मामले में पूछताछ करेगी। रांची में नियुक्त के बाद उनकी इनीशियाली दर्ज की गई थी। इस केस के सूचक रांची के तकालीन टाउन सीओ अमित भगत हैं। उनके आवेदन के आधार पर दर्ज की गई प्राथमिकी नंदीम अंसारी, शाहबाज, पिलाहाल न्यायिक हिरासत में है।

शबाब, सदाम हुसैन, शबीर अंसारी, जमाल गढ़ी समेत 22 लोगों को नामद अरोपी बनाया गया। वहीं करोबर आठ से दस हजार अन्नात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। फिलहाल इस केस की जांच सीआईडी (अपराध अनुसंधान विभाग) कर रही है। ऐसे में अब रांची के सभी 44 आरोपी प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है ताकि इन्हीं सब मामलों को लेकर जेल पर अक्सर सबलिया निशन बना रहत है। जब भी जेल में पुलिस प्रशासन के द्वारा छापेमारी की जाती है, उनके बाद उनको दोषपात्र कर दिया जाकर अपराधियों से उनके जानकारी लेगी।

क्या-व्या लीनी है जानकारी : रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिंहा की ओर से सभी थांओं में नोडल अफसर नियुक्त किये गये हैं।

सभी ने अपना काम शुरू कर दिया है। नोडल अफसर कोंज़े सूचना जुटानी है उनमें जेल से जमानत पर कोन अपराधी निकलाएक सफातह के बीच उससे मिलने कौन-कौन आया। जेल में रहे के दौरान अपराधी का आचरण कैसा था। जेल से निकलने के बाद अपराधी से थाना हाजिरी निश्चित करवाना। पूरे परिवार के साथ सभी पहचान पत्र और सभी भौमाल नंबर जमा करना आदि है।

जेल से समय पर नहीं मिल पाती सुचना : दरअसल, पुलिस को जेल से कभी भी समय पर सुचना नहीं मिल पाती है। वह सभी जानते हैं कि इन्हीं सब मामलों को लेकर जेल पर अक्सर सबलिया निशन बना रहत है। जब भी जेल में पुलिस प्रशासन के द्वारा छापेमारी की जाती है, उनके बाद उनको दोषपात्र कर दिया जाकर अपराधी रेगिस्टरी में रहत है। जबकि जेल से ही अपराधी रेगिस्टरी के लिए फोन करते हैं ऐसे माहौल में रांची पुलिस की यह योजना कितना कारगर होती है, वह देखने पर नोडल अफसर नियुक्त किये गये हैं।

स्पष्टरिया बहुदृशीय परियोजना को बंद करने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई

जल संसाधन विभाग अपना जवाब दाखिल करे : हाईकोर्ट

रखण्ड रेखा बहुदृशीय परियोजना में अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया...

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो चुके खर्च, जमीन अधिग्रहण भी पूरा, विस्थापितों के पूर्नवास की भी हो चुकी व्यवस्था लेकिन राज्य सरकार ने बिना कारण प्रोजेक्ट बंद किया।

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्दीशीय परियोजना को अब तक साढ़े 47 हजार करोड़ रुपए हो



स्पीड न्यूज़
खातिजा न संघर्ष समिति की बैठक
रामगढ़। खातिजा न संघर्ष समिति की बैठक शुक्रवार को असनाठांडा, माथागढ़ा, कुल्ही में हुई। बैठक की अध्यक्षता मदन गंझू एवं संचालन गोपाल प्रसाद ने किया। बैठकों ने कहा कि जेनोफ्रेसास के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतों एक व्यक्ति नहीं एक विचार है। हम सभी को टाइगर जयराम महतों के विचारों को जन जन तक पहुंचाकर कर रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में संगठन को मजबूत बनाना है। औके पर मुख्य रूप से पनेशर, सोतोष टिडुआर, देवानंद महतों, योगेश भारती, लीलाती महतों, प्रवीण कुमार महतों, निर्मल महतों, अरविंद नायक, परमेश्वर महतों सजय महतों आदि मौजूद थे।

पटेल चौक पर कार ने लगी आग

फटो 12 जलती कार
रामगढ़। रांची-पटना फोरलेन मार्ग अंतर्गत पटेल चौक ओवरब्रिज पर शुक्रवार को हजारीबाग की ओर से आ रही एक कार में अचानक आग लग गई। जिससे कार पूरी तरह जल गई। बताया गया कि कार पर एक व्यक्ति सवार था जिससे कार से कूदकर जान बचायी। हाँ, रुटना की जानकारी के बाद दमकत विभाग के कर्मी और पुलिस मौके पर पहुंचे। लेकिन तबतक कार जल उड़ी थी। घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

मांझ थाना ने शांति समिति की बैठक

मांझ मांझ थाना में दुर्गा पूजा को लेकर शुक्रवार को शांति समिति की बैठक हुई। शीओ मुदस्सर मसूरी ने लोगों से दुर्गा पूजा शांति और भाई चारी के साथ मनाने की अपील की। उहने कहा कि दुर्गा पूजा लोग मनाएं, इसमें प्राणसन का सहयोग उहने मिलेगा। लेकिन दुर्गा पूजा के दौरान प्रशासन को ओर से जो दिशा निर्देश जारी किए गए हैं उनका पालन करते हुए दुर्गा पूजा मनाए।

दुर्गा पूजा को लेकर वल्ल वितरित

कुरु। मारीमांग कॉम्प्लेक्स, बौगावर में सदस्यों के बीच उज्ज्वल फाउंडेशन ने शुक्रवार को अग्रसर वितरण किया। जागेवर प्राप्तिनिधि ने कहा कि एक दिन तक 21 वर्षीय लक्ष्मी वादव का शब्द उसके पैतृक गांव बही के करमों से लाया गया था। उसके बाद उसके पैतृक गांव बही के अंतर्मल सलामी दी। लक्ष्मी वादव सहानुपर दूरी में दृश्यती पता तैयार की। इसी दौरान तबीयत खराब होने के कारण इलाज के दौरान जलन की 11 अव्वद्वार को मौत हो गई। एयरफोर्स जवानों के समूह ने गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर राष्ट्रीय झंडे में लिपटा देश का जवान को सलामी देकर राष्ट्रीय झंडे की मृतक जवान के पिता वीरेंद्र वादव को दिया। वायु सेना के पदाधिकारी शिवदायल सिंह ने मृतक जवान के पिता को 80 रात रुपरे का चेक और अर्थात् रूप से नगद राशि देकर सहयोग किया। जवान का पर्यावरण शरीर पैतृक आवास पर पहुंचे ही मां शब से लिपटकर रोने लगी। लक्ष्मी दो भाईयों में छोटा था।

पिता वीरेंद्र वादव के किसान हैं। शब के अंतिम वात्रा में सैकड़े लोगों ने शब को बरहींडी के लाडले को अंतिम सलामी दी। लक्ष्मी वादव सहानुपर दूरी में दृश्यती पता तैयार की। उहने प्रतिष्ठानों में स्वच्छता और साक सफाई रखने का निर्देश दिया। गुरु ने बताया कि पर्व त्योहारों के दौरान बाजार में मिटाइया की मां बढ़ जाती है, जिससे बाजार में नकली व कम गुणवत्ता वाले भेज्य पदार्थों का बचन बढ़ने की स्थानवाप्रावाहन आभियान चलाकर इस प्रकार के स्वास्थ्य से खिलाड़ करने वालों पर कारवाई की जाती है।

स्वास्थ्य उपकेंद्र ने लगा रहता है ताला टाईज़िरिया। होलंग गांव पिछड़े गांव के श्रीं में आता है। जहाँ स्वास्थ्य सुविधा के लिए उपस्वास्थ्य केंद्र का निर्माण जर्जर अवस्था को देख समाज सेवियों के काफी मशक्कत के बाद सरकार द्वारा नया भवन भी बनाकर तैयार है। पुराने भवन से केंद्र को नया भवन में शिष्ट किया गया है। ताकि मरीजों संग मरीजों के परिजनों का स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाना नहीं करना पड़े। लेकिन दुर्गापूजा की बात यह है कि केंद्र स्थल में तीन रात्रिय कर्मी पदस्थापित रखने के बाद भी लगातार ताला बंद रास्थ्य उपकेंद्र में देखा जा रहा है। यह भवन देखने से डरावना भयावह भूत बंगला जैसा दिखता है। मंगलवार से लेकर गुरुवार तक लगातार रास्थ्य उपकेंद्र में देखा जा रहा है। यह भवन देखने से डरावना भयावह की भी काफी विलंग से प्रभावित होता है। आयुष चिकित्सक संग अन्य पदस्थापित सहयोगी स्वास्थ्य कमीयों कि इस तरह के हरकावारों को देख और ग्रामीणों द्वारा सुनकर जाने का वहत है प्रमुख संग क्षेत्र के जनप्रतिनिधि समाजसेवी टाईज़िरिया प्रमुख संतोष मंडल ने नाराजी व्यक्त करते हुए कहा कि वे सिविल सर्जन और डीसी से इसकी शिकायत करें।

नैक को ले आरणवाईन कालेज ने बैठक
बरही। रामनारायण यादव मेमोरियल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ दिवल किशोर की अध्यक्षता में शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों की हुई। बैठक में युवतीरी के मापदंडों के आधार पर महाविद्यालय के नैक द्वारा होने वाली द्वितीय निरीक्षण विषय पर गहन चर्चा हुई। नैक द्वारा महाविद्यालय का प्रथम निरीक्षण 2017 में हो चुका है, जिसमें महाविद्यालय को नैक द्वारा भी ग्रेड खाली प्राप्त हुआ, जो काफी संतोष जाकर एवं महाविद्यालय परिवार ने एक बार पुनः पुनः नैक टीम के प्राप्त हवाय से आभार प्रकट किया है। नैक द्वारा दूसरी गांव के बाहरी विवाहालय को समझें द्वारा दिखाया गया और ग्रामीणों द्वारा देखा गया गया। जिसमें मुख्य रूप से पुस्तकालय, अध्ययन, कक्ष, महाविद्यालय में एकाउंट अध्ययन आदि व्यायाम को पूर्ण रूप से डिजिटलाइजेशन करना सुन्धा है। बैठक में प्राचार्य डॉ दिवल किशोर, डॉ अरुणा रानी, डॉ संजय कुमार विवाहाल, डॉ अंजय रविदास, डॉ रिधारी यादव, डॉ सुभाष कुमारी, प्रो हिरान यादव, डॉ प्रदीप शाह, राजकिशोर पांडेय, रेविन मुख्यार्थी, प्रेम विश्वकर्मा, डॉ पूर्ण यादव, संजय यादव, बचन लाल, जगतर सिंह, बाबूलाल यादव, संजय यादव, मौसम यादव, अंजलि कुमुख और डॉ अंजय प्रताप सिंह, महेन्द्र दाकुर, अर्वाना व अन्य मौजूद थे।

चौपारण में हथियार के साथ तीन अपराधियों को पुलिस ने दबोचा

खबर मन्त्र संचालकदाता

चौपारण। पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ बड़ी कारवाई की है। पुलिस ने प्रबंद के बिहारी कारवाई तीन व्यक्ति ने किया। बैठकों की अध्यक्षता में संगठन को मजबूत बनाना है। औके पर मुख्य रूप से पनेशर, सोतोष टिडुआर, देवानंद महतों, योगेश भारती, लीलाती महतों, प्रवीण कुमार महतों, निर्मल महतों, अरविंद नायक, परमेश्वर महतों सजय महतों आदि मौजूद थे।

दो देसी कट्टा और पांच जिंदा कारतूस बराबर



चौपारण। पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ बड़ी कारवाई की है। पुलिस ने प्रबंद के बिहारी कारवाई तीन व्यक्ति ने किया। बैठकों की अध्यक्षता में संगठन को मजबूत बनाना है। औके पर मुख्य रूप से पनेशर, सोतोष टिडुआर, देवानंद महतों, योगेश भारती, लीलाती महतों, प्रवीण कुमार महतों, निर्मल महतों, अरविंद नायक, परमेश्वर महतों सजय महतों आदि मौजूद थे।

तथा पाकेट से दो कारतूस एवं रामसेवक कुमार के पास से एक देसी कट्टा, दो कारतूस तथा कुंदन कुमार के पैंट के पैकेट से एक कारतूस बरामद किया गया। बरामद किये गये हथियार एवं गोली को विभिन्न जप्ती सूची बनाकर जाल किया गया। तथा पाकेट से एक कारतूस बरामद किया गया। बरामद किये गये हथियार एवं गोली को विभिन्न जप्ती सूची बनाकर जाल किया गया। तथा पाकेट से एक कारतूस बरामद किया गया। इस तरह करीब चारी प्रकार के खिलाफ बड़ी कारवाई की जाएगी।

ग्राम दादपुर वाना चौपारण, कुंदन रजक

प्रियतानि एवं सांस्कृतिक कारवाई की जाएगी।

ग्राम दादपुर वाना चौपारण वाना चौपारण, कुंदन रजक

प्रियतानि एवं सांस्कृतिक कारवाई की जाएगी।

ग्राम दादपुर वाना चौपारण वाना चौपारण, कुंदन रजक

प्रियतानि एवं सांस्कृतिक कारवाई की जाएगी।

ग्राम दादपुर वाना चौपारण वाना चौपारण, कुंदन रजक

प्रियतानि एवं सांस्कृतिक कारवाई की जाएगी।

ग्राम दादपुर वाना चौपारण वाना चौपारण, कुंदन रजक

प्रियतानि एवं सांस्कृतिक कारवाई की जाएगी।

ग्राम दादपुर वाना चौपारण वाना चौपारण, कुंदन रजक

प्रियतानि एवं सांस्कृतिक कारवाई की जाएगी।

ग्राम दादपुर वाना चौपारण वाना चौपारण, कुंदन रजक

प्रियतानि एवं सांस्कृतिक कारवाई की जाएगी।

ग्राम दादपुर वाना चौपारण वाना चौपारण, कुंदन रजक

प्रियतानि एवं सांस्कृतिक कारवाई की जाएगी।

ग्राम दादपुर वाना चौपारण वाना चौपारण, कुंदन



धरमपुर नोड से पाकुड़ तक

बनेगी एन एच सङ्केत: सांसद

पाकुड़। राजभवन सांसद विजय

हासदा के प्रयागर ये धरमपुर नोड से

पाकुड़ तक एनएच 333 ए सङ्केत

का निर्माण करने की बात कही जा

रही है। यदि यह सङ्केत बनती है तो

हिरण्यपुर बाजार वासियों की भी जाम

से मुक्ति मिलने की पूरी सभापत्रा है।

एनएच प्रधान ने इसके लिए टेंडर

हो चुका। कार्य को आवश्यक करने

की प्रक्रिया चालू है। इसके तहत

एनएच - 333 ए किमी 56.450

धरमपुर मोड़ से किमी 93.050

भाया हिरण्यपुर तक सङ्केत लायाभग

188 करोड़ की लागत से बनेगी।

इसके लिए हिरण्यपुर में लायाभग

सङ्केत का निर्माण किया जाएगा।

सांसद प्रधान यिजय हासदा ने बताया कि

एनएच प्रधान से टेंडर हो चाही है।

क्षेत्री की जनता राजनीति जर्जर

सङ्केत से दौरा हो रही थी। सङ्केत

की समस्या के समाधान के लिए

लगातार एनएच प्रधान से संपर्क में

थे। अब जनता की समस्या का जट्ठ

समाधान हो जाएगा। साथ ही साथ

उन्होंने बताया की हिरण्यपुर बाजार

की सङ्केत जाकी जर्जर हो चुकी

है ताकि उसकी आशिक देवघर के लिए

एनएच प्रधान देवघर ने टेंडर

आमंत्रित कर दिया है जट्ठ सङ्केत

की मरम्मती का काम चालू होगा।

बंद घर में लाखों की

चोरी, जांच में जुटी पुलिस

हिरण्यपुर (पाकुड़)। स्थानीय थाना

क्षेत्र के सुंदरपुर में एक घर बंद घर

को चोरों ने निशाना बनाया है। इस

घर ये चोरी सुंदरपुर निवासी का

विजय भगत के घर से हुई है घरना तब

घटी जब परिवार के लोग इलाज के

लिए वारे कोलाकाता गए हुए थे।

मिली जानकारी के अनुसार विजय भगत

का दाफिने पेर छुच दिन पहले टूट

गया है। जिसका बैठकर इलाज के

लिए वारे अनी पर्नी के साथ सोयावर

सुख फॉलो करते हुए थे। वहाँ से

जब बुधवार की रात को वापस घर

लोटे तो शर की हालत देखकर

परिवार के सदस्यों के होश उड़

गएम करने की हालत देखकर उन्हें

समझने में जरा सा भी देर नहीं लगा

कि घर में चोरी हो गई है। चोर घर

के पैछे रहने का गंत का लोक

काटकर घर के अंदर देखकर हुए।

और घरी जारी से सभी कर्मणों की

तलाशी ती घर के कर्मणे में रखे

अलमीरा का लोक तोड़कर नाद

डेढ़ लाख रुपये, दो भरी सोना का

जेवरत व चांदी के गहने सहित अन्य

सामान की चोरी हुई है उंधर, घटना

की जानकारी मिलते ही रात में ही

थाना प्रभारी सुनील कुमार रिहा

दलल के साथ मौके पर पहुंचकर

घटना को लेकर थाना में कांड

संख्या 82/23 में सामान दर्ज हुई है।

इस बात थाना प्रभारी सुनील कुमार

रिहा ने बताया कि घटना को मामला

दर्ज की गई है। इसकी गहन

जानबीन की जा रही है।

नोबाइल-लूप्या

छीनने के बाद बाइक

का नारी गोली

दुपका। जिले के जर्जरुंदी थाना क्षेत्र

के जयनगरा गांव के समीप गुरुवार

की रात फुटबॉल मैच देखकर लौटे

रहे बाइक सवार तीन लोगों को

आपराधियों ने रोककर लूप्यात की।

आपराधियों ने बाइक लूप्यात की।

पुलिस ने उसका बायान दिया किया है।

तालाबी के लोग दुर्योग का रहने

वाला बहुत दोषत और महिला मित्र

के साथ सरयाहात और जर्जरुंदी

सीमा पर चढ़ू बथन में रह रहा

फुटबॉल मैच देखने के लिए गया था।

वापस आने के क्रम में उसकी बाइक

पंचर हो गई। बाइक ठीक करने के

बाद तीन घर लौट रहे थे। जयनगरा

गांव के समीप दो बाइक सवार पांच

लोगों ने रोक दिया तो तमाज़

दियाकर कर्जे में कर दिया। तलाबी

में मित्र और साथी के पास कुछ नहीं

मिला तो बाइक लालक बबतू के बेहरे

पर तमाज़ के बट से हमला कर

घायल कर दिया। घायल होने के बाद

बाइक की चारी छीनने का प्रयास

किया। शर मचाने पर पांच लोगों से

फरार हो गए। शर मचाने पर मित्र

से घायल कर दिया। घायल होने के

बाइक की चारी छीनने का प्रयास

किया। शर मचाने पर पांच लोगों से

फरार हो गए। शर मचाने पर मित्र

से घायल कर दिया। घायल होने के

बाइक की चारी छीनने का प्रयास

किया। शर मचाने पर पांच लोगों से

फरार हो गए। शर मचाने पर मित्र

से घायल कर दिया। घायल होने के

बाइक की चारी छीनने का प्रयास

किया। शर मचाने पर पांच लोगों से

फरार हो गए। शर मचाने पर मित्र

से घायल कर दिया। घायल होने के

बाइक की चारी छीनने का प्रयास

किया। शर मचाने पर पांच लोगों से

फरार हो गए। शर मचाने पर मित्र

से घायल कर दिया। घायल होने के

बाइक की चारी छीनने का प्रयास

किया। शर मचाने पर पांच लोगों से

फरार हो गए। शर मचाने पर मित्र

से घायल कर दिया। घायल होने के

बाइक की चारी छीनने का प्रयास

किया। शर मचाने पर पांच लोगों से

फरार हो गए। शर मचाने पर मित्र

से घायल कर दिया। घायल होने के

बाइक की चारी छीनने का प्रयास

किया। शर मचाने पर पांच लोगों से

फरार हो गए। शर मचाने पर मित्र

से घायल कर दिया। घायल होने के

बाइक की चारी छीनने का प्रयास

किया। शर मचाने पर पांच लोगों से

फरार हो गए। शर मचाने पर मित्र

से घायल कर दिया। घायल होने के

बाइक की चारी छीनने का प्रयास

किया। शर मचाने पर पांच लोगों से

फरार हो गए। शर मचाने पर मित्र

से घायल कर दिया। घायल होने के

बाइक की चारी छीनने का प्रयास

किया। शर मचाने पर पांच लोगों से



एयर इंडिया एक्सप्रेस
50 नये नैक्स विमानों
को शामिल करेंगी

नयी दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अगले 15 महीनों में अपने बेडे में 50 नये बी737 मैक्स विमानों को शामिल करने की योजना बनाई है। गोरतलब है कि टाटा सहू की इस कंपनी में एआईएसक कोरेक्ट (पूर्ण में एयरएसिया इंडिया) के विलय की प्रक्रिया भी जारी है। एयर इंडिया एक्सप्रेस की सुनुक इकाई और एआईएसक कोरेक्ट 18 अक्टूबर को अपना नया ब्रांड पेश करेगी।

अफगानिस्तान विपक्षों में 17 लोगों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के उत्तरी बगलान प्रांत में शुक्रवार को एक मर्सिज दे के पास विपक्षों में करीब 17 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। एक स्थानीय सूत्रों ने यह जानकारी दी। इससे पहले, अफगानिस्तान के एरिया न्यूज़ ब्रॉडकास्टर ने बताया कि अन्यान्य प्रांतों की राजधानी पोल-ए-खोमरी में शुक्रवार की प्रार्थना के दौरान एक विस्फोट हुआ।

तेलंगाना कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

हैदराबाद। कांग्रेस की तेलंगाना इकाई के पूर्व अध्यक्ष पोनाला लक्ष्मण ने पार्टी के भीतर अन्यायांश महोत्ता होने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे को अपना त्यागपत्र भेजा है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष का इस्तीफा पार्टी के लिए झटका माना जा रहा है।

आइपीओ घोटाले ने तीन गिरफतार

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निवेशालय ने हैदराबाद में करोड़ों रुपए के कथित आईपीओ घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामले की जांच के तहत तीन लोगों को शुक्रवार को गिरफतार किया है। उन्हें से एक अमेरिका का निवासी, एक वानुअतुर का और एक भारतीय है। अमेरिका के निवासी पहले कुचाना, वानुअतुर गुणराज के निवासी निमंल कोटेंगा और किशोर तापदिया को 11 अक्टूबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएल) के प्रावधानों के तहत दिवारस तेलिया गया।

लैपटॉप और कंप्यूटर

आयात पर प्रतिबंध नहीं
नयी दिल्ली। भारत में लैपटॉप और कंप्यूटर के आयात पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा और सरकार सिर्फ उनकी खेप की निगरानी करेगी। एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही।

सरकार ने अगस्त में कहा था कि लैपटॉप, टैबलेट और कंप्यूटर सहित इन उत्पादों को एक नवबर से लैपटॉप्स व्यवस्था के तहत रखा जाएगा। इस लिहाज से यह बात महत्वपूर्ण है।

बैंगलुरु : वरिष्ठ पत्रकार सचिवानन्द का निधन

बैंगलुरु। द वीक पत्रिका और

दैनिक समाचारपत्र मध्याला

मनोरमा के पूर्व दिल्ली रेजिडेंट

संपादक के रूप में काम कर चुके

वरिष्ठ पत्रकार के एस सचिवानन्द मृत्यु का शुक्रवार को निमंल हो गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सचिवानन्द मृत्यु ने यहां एक निजी अस्पताल में अतिम सांस ली।

बंगाल में कोयला खदान धसने से तीन की मौत

आसनसोल। बर्बाद जिले में अवैध

खनन के दौरान एक कोयला

खदान के ढान से कम से कम

तीन लोगों की मौत हो गई और 10

अन्य लोगों के फंसे होने की

आशंका है। अधिकारियों ने

शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस को संदेह है कि यह घटना तब हुई जब राजीनीत थाना क्षेत्र के

एगरा ग्राम पंचायत में ईर्टर्न

कोलाइटिल लिमिटेड (ईसीएल)

की नारायणकुरी कोटियरी से

अवैध रूप से कोयला निकाला जा

रहा था।

इंजरायल ने की गाजा पर ताबड़तोड़ बमबारी

एजेंसी

तेल अवीव/यशवंत

निशाना बनाया गया। इंजरायल के रक्षामंत्री योवेच गैलेंट ने कहा कि हमास गाजा का आईएस है। वह ईरान के पैसों पर फलता-फूलता है।

इंजरायल उसके एक भी गुरुंग को जिंदा नहीं छोड़ेगा। पिछले शनिवार को हमलावर हमास अतंकवादियों ने नरसंहार के दौरान आईएस के झंडे लहराए थे।

इंजरायल के सेना ने 189 सैनिकों सहित 1,200 से अधिक नारियों को खो

करेगी। इसके अलावा यह विकल्प

भी तलाशे जा रहे हैं कि क्या

अमेरिकी नारियों को जमीन और

समृद्ध के रास्ते भी सुरक्षित स्वेच्छा

लाया जा सकता है। किंबाले कहा

है कि हमास के हर लड़का अब

मुर्दा है। यह अतंकवादी

से बात तक कहीं भी रहे रहेंगे।

इंजरायल में खुशी के बातों

में भी जारी है। इनकी मौत होने के

लिए चार्टर उड़ानों की व्यवस्था।

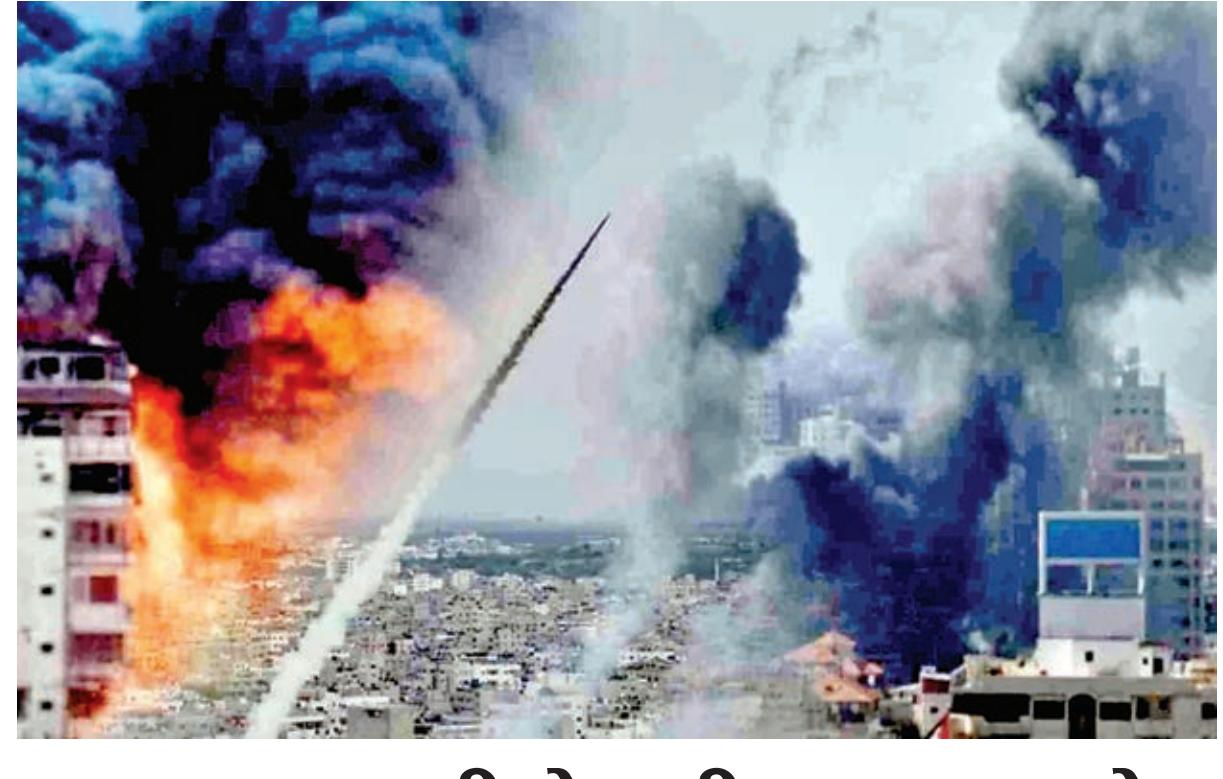
इंजरायली सेना ने 3,500 से ज्यादा आतंकी टिकानों पर बरसाये बम, अब कभी भी छिड़ सकती है जमीन पर लड़ाई

» गाजा में 1417 मारे गये व

6500 से ज्यादा घायल

» हमास का हर लड़का अब

मुर्दा : बैंजामिन नेतन्याहू



सायरन, रॉकेट की आवाजें और घीख-पुकार गूंज रही थी

एजेंसी

स्टेटेंग लौटे भारतीयों ने इंजरायल में हमास हमले का बयां किया दर्द

की आवाज और बीते कुछ दिनों से अखों के

सामने से गुजरे डरावने में मंजरी

में अनुभव अभी भी उड़े

डरा रहे हैं। सिंग ने कहा कि

भारतीयों को सुरक्षित निकालना

एक सराहनीय कदम है। हमें उम्मीद

है कि शांति बहाल होगी और हम

पहुंच गया। वापस लौटे कुछ

भारतीयों के बाद तेलंगाना

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष

का इस्तीफा पार्टी के लिए झटका

माना जा रहा है।

अमेरिकी भारतीयों की आवाजें

में अनुभव अभी भी उड़े

डरा रहे हैं। इंजरायल का

भारतीय दूतावास के आधारी हैं।

में 2019 से रहे रहे रहे रहे रहे

रहे रहे रहे रहे रहे रहे रहे रहे

र

महालया से आंशभ होती है मां दुर्गा की उपासना



बासुकीनाथ पाण्डेय

महालया अमावस्या के दिन सुवह पितरों का श्राद्ध और तर्पण करके विदा किया जाता है और शाम के समय मां दुर्गा की पृथ्वी लोक पर अने के लिए पूजा की जाती है। हिंदू धर्म में महालया का विशेष महत्व है और इस दिन से ही दुर्गा पूजा की शुरूआत हो जाती है। नवरात्रि और पितृपूष्क की संधिकाल को महालया कहा जाता है। इस समय मां दुर्गा के घर अगमन के लिए बदना जाती है और पितरों को जल देकर उनको नमन करते हुए विनती की जाती है कि आप अनें लोक में प्रसन्न रहें और अपने परिजनों पर हमेशा कृपा दृष्टि बनाए रखें। महालया का महत्व सदियों से भारतीय संस्कृति में रहा है लेकिन बागल में इसकी खास पूजा की जाती है।

जानिए क्या है महालया

बागल की घरती पर जिस तरह दुर्गा पूजा का महत्व रहा है, उसी तरह महालया को भी बहुत धूमधार से मनाया जाता है। बागल में महालया का हर कोई इंतजार करता है क्योंकि वहाँ पुत्री के रूप में मां भवानी की बुलाया जाता है। इस दिन, देवी दुर्गा की प्रतिमा पर रंग चढ़ाया किया है, उनकी आखें बनाइ जाती हैं और प्रतिमा समें मंडप को संसाया जाता है। मां दुर्गा की मूर्ति बगाने वाले कारीगर अपना कार्य पहले ही शुरू कर लेते हैं लेकिन महालया के दिन मूर्ति को अंतिम रूप दिया जाता है। महालया के दिन पितृपक्ष समाप्त होते हैं और इसी दिन से देवी पक्ष की शुरूआत होती है। पितृपक्ष की तरह ही देवी पक्ष भी 15 दिन का होता है, जिसमें से 10 दिन नवरात्रि के होते हैं और 15 वें दिन लक्ष्मी पूजा के साथ देवी पक्ष समाप्त हो जाता है अर्थात शरद पूर्णिमा के साथ देवी पक्ष समाप्त होता है। मां अपने

महालया का महत्व

वैसे तो महालया बंगलियों का पर्व है लेकिन इसे देशभर में मनाया जाता है। बताया जाता है कि महिषासुर नायक राखस का अंत करने के लिए महालया के दिन ही देवी-देवताओं ने मां दुर्गा का आढ़ान किया था। महालया अमावस्या की मुबाह को पितर पृथ्वी लोक से विदाई लेते हैं और पितरों को तर्पण करते उनको विदा किया जाता है। साथ ही महालया अमावस्या के दिन पितृपक्ष समाप्त होते हैं और इसी दिन से देवी के साथ पृथ्वी पर पथरते हैं। इसके बाद नौ दिन तक उनके द्वारा रक्षाएँ रखती हैं। बांगल में दुर्गा पूजा का इंतजार रहता है और इस दिन देवी दुर्गा की विदा किया जाता है। साथ ही महालया अमावस्या के दिन पितरों से प्रार्थना की जाती है कि हमसे जो गलियाँ हुई हैं, उसके लिए माफ कर दें और अपनी कृपा द्वारा बनाए रखें। बही शाम के समय मां दुर्गा की पृथ्वी लोक पर अने के लिए प्रार्थना की जाती है। महालया के दिन ही नवरात्रि के नौ दिनों में माता पार्वती अपने कर्त्तव्यों को बच्चों को सुनाया जाता है। नवरात्रि के नौ दिनों में माता पार्वती अपने शक्तियों और नौ रूपों के साथ अपने घर अर्थात् पृथ्वी लोक पर आती है। मां अपने

साथ अपनी सहचर योगनियां और पुत्र गणेश व कार्तिकेय भी पृथ्वी पर पथरते हैं। पृथ्वी देवी पार्वती का मायका है और माता नवरात्रि के नौ दिनों में अपने मायके आती हैं। पृथ्वी पर रहते हुए वह लोगों के कट्ठों को दूर करती है और आसुरी शक्तियों का भी नाश करती है। माता पार्वती हिमालय की पुत्री है और हिमालय पृथ्वी के राजा थे इसलिए बगाल में महालया के दिन पुत्री रूप में माता को बुलाया जाता है और कन्या भोज करवाया जाता है। माता पार्वती की शादी जगतपिता भोजनेनाथ के साथ हुई है इसलिए माता पार्वती को जगत माता कहा जाता है।

महालया के दिन मां होती हैं विदा

माता पार्वती अपने मायके आने के लिए महालया के दिन कैलाश पर्वत पर से विदा लेती है। इसलिए महालया के दिन माता की अगवानी में बदना की जाती है और स्वागत के लिए खास प्रार्थना की जाती है। इसके अगले दिन से यानी नवरात्रि से मां घर-घर में विराजी है। मां जब-जब नवरात्रि में आती है तब उनका अलग होता है। इस बार सोमवार से शारदीय नवरात्रि प्रारंभ हो रहे हैं इसलिए इस बार मां हाथी पर सवार होकर धरती पर आएंगी।

पितरों को किया जाता है विदा

महालया पितृपक्ष का आखिरी दिन होता है। इस तिथि को सर्वपूर्ति अमावस्या भी कहा जाता है। इस दिन भूले बिछड़े पितरों को मां दुर्गा का आढ़ान किया था। महालया अमावस्या की मुबाह को पितर पृथ्वी लोक से विदाई लेते हैं और पितरों को तर्पण करते उनको विदा किया जाता है। साथ ही महालया अमावस्या के दिन पितरों से प्रार्थना की जाती है कि हमसे जो गलियाँ हुई हैं, उसके लिए माफ कर दें और अपनी कृपा भक्तों पर बनाए रखती हैं। बांगल में दुर्गा पूजा का इंतजार रहता है और इस दिन देवी दुर्गा की कहनियों को बच्चों को सुनाया जाता है। बांगल में दुर्गा पूजा का इंतजार रहता है और इस दिन देवी दुर्गा की कहनियों को बच्चों को सुनाया जाता है। नवरात्रि के नौ दिनों में माता पार्वती अपने शक्तियों और नौ रूपों के साथ अपने घर अर्थात् पृथ्वी लोक पर आती है। मां अपने

मानव शरीर में 112 चक्र प्रभावी



फोकस्ट है कि वहां पर टिक है, और इस साधना से तीन

112 चरों से 7 चक्र कैसे बनें?

इन एक सी बीड़ह चक्रों में से दो चक्र शरीर के बाहर होते हैं, लेकिन आदियोगी शिव ने इन्हें सात वर्गों में बांधा था और सप्त ऋषियों को दीक्षित किया था। इसी वजह से ये आम तौर पर सात चक्रों के रूप में जाने जाते हैं। या जने जाते हैं। धरती की हर चीज़ इंसानी सिस्टम के विकास में शामिल रही है अगर हम इस धरती पर मौजूद जीवन की प्रकृति, या धरती पर मौजूद किसी भी भौतिक वस्तु की प्रकृति को जानना चाहते हैं, चाहे वह सजीव हो या निर्जीव तो इसके लिए सबसे बेहतर तरीका अलग है। असल में, हम इन्हें ऐसे देखते हैं कि हम किसके साथ काम कर सकते हैं और जिस आयाम तक पहुंचा जा सकता है, वह आयाम सहस्रार है। हालांकि कुछ मायने में ये सही भी है, लेकिन सामान्य योगिक पद्धति इसे ऐसे नहीं देखती। सामान्य योगिक पद्धति इसे एक सी बीड़ह में से दो कम करके देखती है। दरअसल, ये दो चक्र भौतिक ढांचे के बाहर होते हैं। असल में, हम इन्हें ऐसे देखते हैं कि हम किसके साथ काम कर सकते हैं और इनमें से अगर एक सी आठ चक्रों पर काम करके उन्हें तैयार कर सकते हैं, तब उनमें से एक सी बारह चक्रों के बाहर होते हैं। अगर एक सी बारह अपने इन सात आयामों में, आमतौर पर सात चक्रों या योग के साथ स्कूल के तौर पर जाने जाते हैं।

क्योंकि

इन्हें

किया

के

साथ

करते हैं।

अगर ये चक्र अपनी पूर्णता पर पहुंच जाएं तो इंसान शरीर-हीनता की स्थिति का अनुभव कर सकते हैं।

यह भी अपने आप में

मानव

के

विकास

में

सक्षम

नहीं हो पाएगा।

अगर ये

चक्र

कहते हैं।

अगर ये

प्रार्थना

के

प्रार्थना

के